नई दल्लिी। भाजपा अध्यक्ष राजनाथ सहि ने पार्टी की ओर से प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार नरेन्द्र मोदी की तारीफ करते हु। उन्हें दृ। प्रतबिद्धता वाला नेता बताया। सहि ने क्हा कि गुजरात के मुख्यमंत्री में वह सरि्फ ताक्त और प्रतभिा देखते हैं।

सहि ने यह भी क्हा कि यद्यपि 'राम मंदरि' का मुद्दा अदालत में वचिाराधीन है और लोगों को उसपर अदालत के फैसले का इंतजार करना चाहि। लेकनि अगर यह साबति हो जाता है कि मुस्लमि उस खास स्थल (ववािदति स्थल) पर नमाज अदा करते थे तो वह स्वीकार करेंगे कि राम मंदरि के नरि्माण के प्रयास जो चल रहे है वह गलत है।

सहि ने क्हा, ''नरेन्द्र मोदी का सबसे मजबूत पहलू यह है कि वह ऐसे नेता है जो दृ। प्रतबिद्धता वाले है और 12 साल तक मुख्यमंत्री रहने के बाद शासन में जसि तरीके की पारदर्शाति उन्होंने दखिाई है, वह प्रशंसनीय है। न सरि्फ वकिास के मामले में बल्कि उन्होंने गुजरात को ि क आदर्श राज्य बना दयिा है।''

उनके कमजोर पहलुओं के बारे में पूछे जाने पर सहि ने क्हा कि यद्यपि अब तक उन्होंने ि क का भी पता नहीं लगाया है लेकनि वह ढूंढने का प्रयास करेंगे। उन्होंने क्हा, ''मैने सरि्फ उनकी ताक्त और प्रतभिा देखी है।''

सहि ने क्हा, ''अगर कोई कमजोरी है-----तो यह है कि वह अपने स्वास्थ्य का ख्याल नहीं रखते ओर देश और समाज के वकिास के लि। अथक काम करते हैं। इसे उनकी कमजोरी या मजबूत पहलू के तौर पर देखा जा सक्ता है।''

जनसभाओं में ऐतहिासकि और आर्थकि तथ्यों के संबंध में मोदी की गलतयिों के बारे में पूछे जाने पर सहि ने क्हा कि कोई उनका पूरा भाषण देख सक्ता है और उन्होंने कभी नहीं क्हा कि तक्षशलि पटना में था।

सहि ने क्हा, ''उन्होंने (मोदी ने) नहीं क्हा था कि तक्षशलि पटना में था----कोई उनका पूरा भाषण देख सक्ता है-----ऐसे समय आते है जब इन व्यस्त दौरों के दौरान जबान फसिल सक्ती है------हमसे भी कभी-कभी ऐसा होता है।'' राम मंदरि मुद्दे के बारे में पूछे जाने पर सहि ने क्हा कि उनकी पार्टी चाहती है कि राममंदरि बने और जैसे हदिू चाहते है कि मंदरि बने उसी तरह दूसरे धर्मो' के लोग चाहते है कि उनका धार्मकि ढांचा बने।

सहि ने क्हा, ''मामला अदालत में वचिाराधीन है और मेरा मानना है कि हमें अदालत के फैसले का इंतजार करना चाहि। ि इलाहाबाद उच्च न्यायालय की ि क पीठ ने फैसला दयिा है जसिमें उसने क्हा कि जहां फलिहाल राम लला की मूर्त स्थापति है, वह राम की जन्मस्थली है और यह बात सभी तीनों न्यायाधीशों ने क्ही----लेकनि इसके खलिाफ उच्चतम न्यायालय में अपील की गई है और हमें इसका इंतजार करना चाहि। ि''

सहि ने क्हा, ‘‘मुस्लमि वहां (ववादति स्थल) पर नमाज अदा क्रते थे, अगर यह साबति होती है तो मैं स्वीक्र क्रूंगा क रामम ंदरि के नर्माण के जो प्रयास चल रहे हैं वह गलत है ’’

गुजरात में क युवती की जासूसी क्रने संबंधी ववाद के बारे में पूछे जाने पर सहि ने क्हा क कांग्रेस इन सबके जरि भाजपा के झटक नहीं दे सक्ती

सहि ने क्हा, ‘‘इस तरह के गलत हथकंडों क इस्तेमाल नरेन्द्र मोदी के नाम के बदनाम क्रने के लि कया जा गा लेकनि यह कसी भी तरीके से पार्टी की सेहत के प्रभावति नहीं क्रेगा और इन सबके बावजूद मोदी की लोक्प्रयिता पर कोई प्रभाव नहीं प ा है ’’